

पा-प्यादा क्रि. वि. (फा.) पैदल, बिना किसी सवारी के।

पाबंद वि. (फा.) 1. जिसके पैर बंधे हुए हों 2. किसी भी प्रकार के बंधन में बंधा हुआ, बद्ध, जैसे- नौकरी का पाबंद 3. पूर्ण रूप से किसी नियम, वचन और सिद्धांत आदि का ठीक तरह से और समय पर पालन करने वाला 4. जो किसी नियम, वचन और सिद्धांत के आधार पर किसी काम को करने के लिए विवश हो पुं. घोड़े का पृष्ठ भाग जहाँ उसके पैर बांधे जाते हैं 2. नौकर, सेवक।

पाबंदी स्त्री. (फा.) 1. पाबंद होने की अवस्था, क्रिया या भाव, बद्धता, विवशता 2. किसी नियम, वचन और सिद्धांत आदि के पालन की जिम्मेदारी 3. किसी नियम, वचन, सिद्धांत और समय के पालन के उत्तरदायित्व के फलस्वरूप होने वाली लाचारी या विवशता।

पाम पुं. (तत्.) 1. दानेदार चकत्ते, खुरंड, फुंसियाँ 2. एक चर्मरोग, विवर्चिका, खाज, खुजली पुं. (अं) ताड़ का पौधा या वृक्ष स्त्री. (देश.) 1. वह डोरी जो गोटे और किनारी आदि बुनने के समय दोनों तरफ बांधी जाती है 2. डोरी, रस्सी।

पामघ्न वि. (तत्.) पाम रोग का नाश करने वाला पुं. (तत्.) गंधक।

पामघ्नी स्त्री. (तत्.) कुटकी।

पामर वि. (तत्.) 1. बहुत दुष्ट, नीच, अधम 2. निर्बुद्धि, मूर्ख 3. असहाय, निर्धन पुं. (तत्.) मूर्ख अथवा नीच व्यक्ति, वह जो पापकर्म में लिप्त हो।

पामर-योग पुं. (तत्.) एक प्रकार का निकृष्ट योग (फलित ज्योतिष)।

पामरी स्त्री. (देश.) उपरना, ओढ़ना, दुपट्टा, पाँवड़ी।

पामा पुं. (तत्.) एक प्रकार का चर्म रोग जिसमें शरीर पर चकत्ते निकल आते हैं और उनमें उभरी छोटी-छोटी फुंसियों में पानी बहता है, एग्जिमा।

पामारि पुं. (तत्.) गंधक।

पामाल वि. (फा.) 1. पैर से कुचला हुआ अथवा पाँव तले रौंदा हुआ, पद-दलित 2. बुरी तरह से तबाह या बरबाद।

पामाली स्त्री. (फा.) 1. पैर से कुचले जाने अथवा पाँव तले रौंदे जाने की अवस्था 2. तबाही, बरबादी।

पायंदाज पुं. (फा.) पैरों को पोछने का बिछावन, पायदान।

पायँ पुं. (देश.) पाँव, पैर।

पायँचा पुं. (देश.) पायजामे के उन दो भागों (टॉगों) में से कोई एक।

पाँयजेहरि स्त्री. (देश.) पायजेब, पाजेब।

पाँयता पुं. (देश.) 1. चारपाई या पलंग का वह हिस्सा जिधर सोने वाले के पैर रहते हैं, पैताना 2. वह दिशा जिसकी तरफ कोई पैर फैलाकर सोया हुआ हो विलो. सिरहाना।

पायँपसारी स्त्री. (देश.) 1. पैर फैलाना, पाँव पसारना 2. निर्मली का पौधा और फल।

पाय पुं. (तत्.) जल, पानी पुं. (फा.) फारसी पा का वह संबंधकारक रूप या उपसर्ग जो उसे यौगिक शब्दों के आरंभ में लगने पर प्राप्त होता है जैसे- पायखाना, पायजेब।

पायक वि. (तत्.) पीने वाला, पान करने वाला पुं. (फा.) 1. दूत. 2. सेवक, 3. पैदल सिपाही 4. वह निम्न या अवर श्रेणी का कर्मचारी जो प्रायः दौड़-धूप वाले कामों के लिए नियुक्त किया गया हो 5. झंडा, ध्वजा, पताका।

पायखाना पुं. (फा.) पाखाना।

पायगाह स्त्री. (फा.) 1. पैर रखने की जगह 2. कचहरी 3. अस्तबल, तबेला।

पायज पुं. (देश.) पेशाब, मूत्र।

पायजामा पुं. (फा.) पाजामा।

पायजेब पुं. (फा.) पाजेब।